Planning By Inducement and Planning By Direction

प्रेरणात्मक योजना एवं आदेशात्मक योजना

आर्थिक योजना का अर्थ मुख्य आर्थिक निर्णयों को लेने से है जैसे क्या और कितना उत्पादन करना है तथा इसे किसके जिसमें करना है, कैसे वितरण करना है आदि। आर्थिक योजना में संपूर्ण अर्थव्यवस्था के व्यापक निरीक्षण के बाद किसी निश्चित अधिकारी द्वारा योजनापूर्ण निर्णय लिये जाते है। आर्थिक योजना की मुख्यत: दो विधियाँ है जो कि निम्नलिखित है—

1. प्रेरणात्मक योजना Planning by Inducement
2. आदेशात्मक योजना Planning by Direction

1. Planning by Inducement

प्रेरणात्मक योजना वह योजना है जिसमें बाजारतंत्र के मांग एवं पूर्ति के सापेक्षिक शक्तियों के द्वारा योजना के उद्देश्यों को प्राप्त किया जाता है। प्रेरणात्मक योजना पूंजीवाद तथा प्रजातंत्र मे लागू होता है।

प्रेरणात्मक आयोजन में प्रेरणा और प्रोत्साहन का उपयोग किया जाता है। ताकि बाजार की स्थितियों को बदल कर उत्पादकों को निश्चित दिशा और निश्चित मात्रा में उत्पादन करने को प्रोत्साहन दिया जा सके।

अत: प्रेरणात्मक योजना का अर्थतंत्र बाजार प्रणाली माध्यम से काम करता है। किसी केन्द्रीय योजना समीति के आदेश निर्देश पर नहीं। इस योजना में निजी और लोकल उद्योगों के व्यवस्थापकों को अपने स्वतंत्र निर्णय के आधार पर उत्पादन कार्य करने के लिए छोड़ दिया जाता है, वे चाहे तो वस्तु जिस मात्रा में उत्पादन करें। प्रेरणात्मक योजना के द्वारा बाजार को नियंत्रित कर उद्योगों के मालिकों को नियंत्रित किया जाता है।

Scanned with CamScanner

इसप्रकार यदि हमारा लक्ष्य उपभोग को कम करके पूंजी निर्माण को बढ़ाना है तो आसानी से यह काम उपभोग की वस्तुओं का मूल्य बढ़ाकर और दूसरी तरफ सूद की दर ऊंची करके किया जा सकता है। ऐसा करने से एक ओर उपभोग कम होगा तथा दूसरी ओर बचत में वृद्धि होगी।

प्रेरणात्मक योजना की सहायता से उत्पादन में वृद्धि करने का प्रयास वस्तुतः उत्पादन के साधनों की गतिशीलता पर निर्भर करती है। यदि उत्पादन के साधन पूर्णरूप से गतिशील न हो तो प्रेरणात्मक योजना संदिग्ध है। आर्थर लेविस ने स्वीकार किया है कि जब भी बाजारतंत्र द्वारा हम उत्पादन बढ़ाने की चेष्टा करेंगे तो अचानक अभाव की स्थिति प्रकट हो जायेगी और इस स्थिति को निपटने के लिए ~~प्रथम~~ उन उपायों को काम में लाना होगा जिससे

प्रथमतः अभावमूलक वस्तुओं का समान वितरण हो सके।

द्वितीय वे उपाय किये जाने चाहिए जिनसे अभावग्रस्त वस्तु की पूर्ति वास्तव में बढ़ सके।

तृतीय मूल्य नियंत्रण के साथ साथ राशनिंग तथा कोटा की नीति को अपनाकर मांग को प्रभावित किया जाता है। ठीक उसीतरह अनुदान से भी मांग और पूर्ति को प्रभावित किया जाता है। प्रेरणात्मक योजना को चित्र द्वारा स्पष्ट कर सकते है –

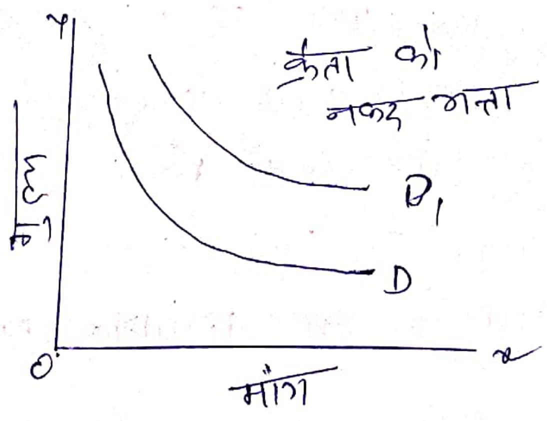

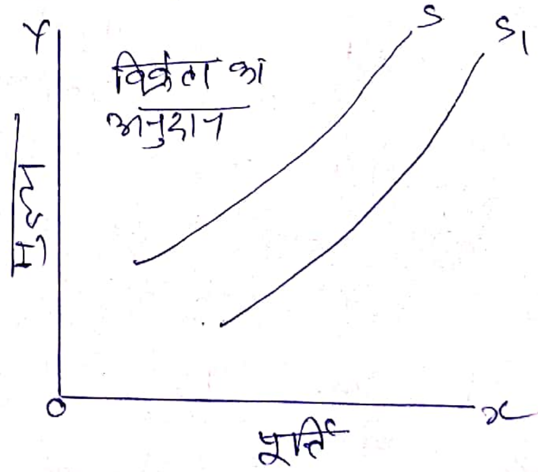

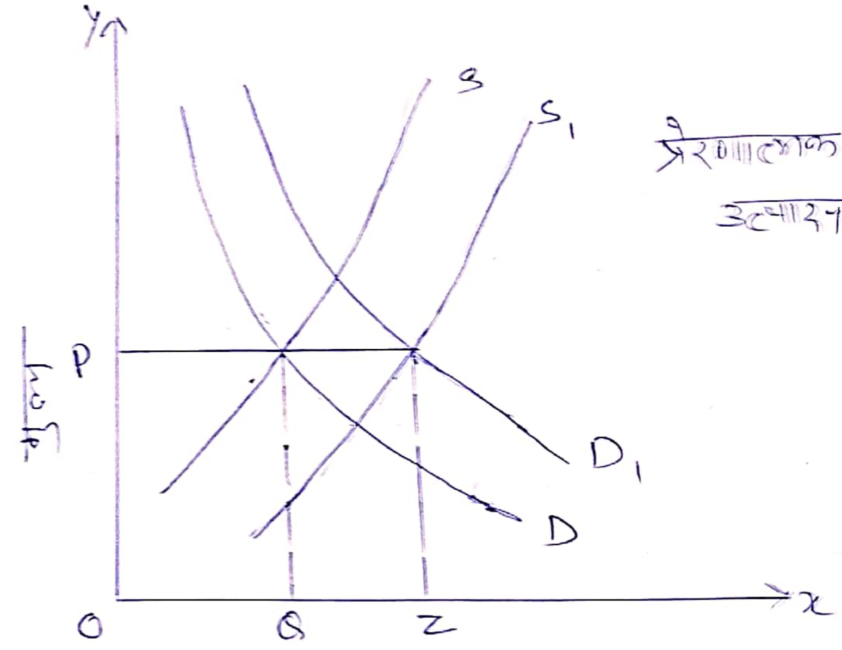

प्रेरणात्मक योजना में उत्पादन वृद्धि

मांग एवं पूर्ति

उपर्युक्त चित्र से स्पष्ट है कि प्रथम चित्र में प्रेरणात्मक योजना में क्रेता को नकद भत्ता देकर मांग में वृद्धि की गई तथा द्वितीय चित्र में विक्रेता को अधिदान या अनुदान देकर पूर्ति में वृद्धि की गई है। तृतीय चित्र से स्पष्ट है कि अर्थव्यवस्था में OP मूल्य पर देश का उत्पादन OQ से बढ़कर OZ हो गया। उत्पादन में वृद्धि आर्थिक विकास का प्रतीक है।

यहाँ

$D = D(P)$ ⟶ मांग फलन

$D = D(P, A)$ ⟶ नकद भत्ता मांग मूल्य फलन

$S = S(P)$ ⟶ पूर्ति फलन

$S = S(P, B)$ ⟶ अनुदान पूर्ति मूल्य फलन

$D(P) - S(P) = 0$ ⟶ बाजार तंत्र संतुलन

$D(P, A) - S(P, B) = 0$ ⟶ प्रेरणात्मक योजना संतुलन दशा

$$\therefore D(P, A) = S(P, B)$$

यहाँ D = मांग, S = पूर्ति, P = मूल्य

A = भत्ता (Allowance) जो क्रेता को दिया गया।

B = अनुदान (Bounty) जो विक्रेता को दिया गया।

Scanned with CamScanner

प्रेरणात्मक योजना के गुण

प्रेरणात्मक योजना के निम्नलिखित गुण है —

1. **आर्थिक विकास तेजी से होना** — प्रेरणात्मक योजना में आर्थिक विकास तेजी से होता है। उद्योगपति तथा व्यवसायी लाभ की आशा में लगन के साथ काम करते है तथा उत्पादन में वृद्धि लाने का प्रयास करते है।

2. **साधनों का उचित आवंटन** प्रेरणात्मक योजना में साधनों का आवंटन उचित रूप में होता है। उत्पादन प्रणाली तथा संगठन में सुधार लाने का भी प्रयास किया जाता है।

3. **योजना में उत्साह तथा उल्लास** प्रेरणात्मक योजना में उत्साह तथा उल्लास रहता है क्योंकि प्रेरणा प्रदान करने का क्रम तब तक चलता रहता है जब तक कि योजना के लक्ष्यों तथा उद्देश्यों की प्राप्ती न हो जाए।

4. **जनता का अधिक सहयोग** प्रेरणात्मक योजना के अन्तर्गत जनता का अधिक सहयोग प्राप्त होता है तथा इससे योजना की सफलता निश्चित हो जा सकती है।

प्रेरणात्मक योजना के दोष

प्रेरणात्मक योजना के निम्न दोष है —

1. **लाभ की आशा से प्रेरित उत्पादन** प्रेरणात्मक योजना में पूंजीवादी अर्थव्यवस्था के सभी दोष पाये जाते है। लाभ की आशा से प्रेरित होकर उत्पादक उन्ही वस्तुओं का उत्पादन करते है जिनसे उन्हे अधिक लाभ प्राप्त होता है।

Scanned with CamScanner

(2) कार्य सम्पादन में विलम्ब

प्रेरणात्मक योजना में कार्य सम्पादन में विलम्ब भी हो सकता है। भय या दंड की भावना वर्तमान नहीं रहती है। इससे काम में शिथिलता आ जाती है।

(3) ~~कार्य~~ व्यक्ति पर अधिक जिम्मेवारी

प्रेरणात्मक योजना में बहुत सारी बातें समाज तथा व्यक्ति पर छोड़ दी जाती है। प्रेरणा द्वारा उद्देश्यों की पूर्ति करने का प्रयास किया जाता है। परन्तु इसमें सदैव सफलता प्राप्त नहीं होती।

(4) अनुचित प्रतियोगिता

प्रेरणात्मक योजना में निजी क्षेत्र और सार्वजनिक क्षेत्र में संबंध का अभाव रहता है। जिससे कार्य संपादन में कठिनाई हो सकती है। अनुचित प्रतियोगिता के कारण हानि की भी संभावना रहती है।

(second Part next Page ...)

Scanned with CamScanner